आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 04.12.2024 **समय : 1905**

- **राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आयुर्वेद में और अधिक शोध करने का आह्वान किया है।**
- **नौसेना दिवस आज मनाया जा रहा है है।**
- **श्री विजयपुरम नगरपालिका परिषद की ओर से स्वच्छ और हरित शहर के निर्माण के लिए पर्यावरण अनुकूल पहल की गई है।**
- **भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती के उपलक्ष्य में कल क्यारी में "कृषि शिक्षा दिवस" मनाया गया।**
- **दक्षिण अंडमान ज़िला प्रशासन की ओर से नए अतिक्रमणों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।**

<><><><><><><>

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आयुर्वेद में और अधिक शोध करने का आह्वान किया है क्योंकि यह लोगों के जीवन का अभिन्न अंग रहा है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद उपचार से कई पुरानी बीमारियां ठीक हो जाती हैं, जिससे देश में बड़ी संख्या में लोग आज भी इस चिकित्सा पद्धति पर विश्वास करते हैं। राष्ट्रपति ने ओडिशा के पुरी में गोपबंधु आयुर्वेद महाविद्यालय के पचहत्तरवें स्थापना दिवस के अवसर पर कहा कि केंद्र सरकार का आयुष मंत्रालय देश में आयुर्वेद और योग को लोकप्रिय बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है, ताकि लोग बीमारियों से मुक्त हों और स्वस्थ रहें।

<><><><><><><>

नौसेना दिवस आज मनाया जा रहा है है। भारतीय नौसेना की भूमिका और उपलब्धियों को मान्यता देने के लिए प्रत्येक वर्ष चार दिसम्बर को यह दिवस मनाया जाता है। वर्ष उन्नीस सौ इकहत्तर में आज ही के दिन ऑपरेशन ट्राइडेंट के दौरान भारतीय नौसेना ने पीएनएस खैबर सहित पाकिस्तान के चार पोत डुबो दिये थे। इस अभियान में सैकड़ों पाकिस्तानी नौसेना कर्मी मारे गए थे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नौसेना दिवस पर भारतीय नौसेना के बहादुर कार्मिकों को बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने उनकी प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए कहा है कि यह हमारे राष्ट्र की सुरक्षा और समृद्धि सुनिश्चित करती है।

<><><><><><><>

श्री विजयपुरम नगरपालिका परिषद की ओर से स्वच्छ और हरित शहर के निर्माण के लिए पर्यावरण अनुकूल पहल की गई है। नवोदय फाउंडेशन, अटल फाउंडेशन, कासा अंडमान और जी आई ज़ेड इंडिया के सहयोग से प्लास्टिक की अदला–बदली, संसाधनों को साझा करना और रंगीन विषय के तहत चार पहलों की शुरूआत की गई है। हाल ही में मरीना रोड पर आयोजित समारोह में नगरपालिका परिषद अध्यक्ष सुदीप राय शर्मा ने इस पहल का उद्घाटन किया। इसका उद्देश्य पूरे शहर में अपशिष्ट प्रबंधन और संसाधन अनुकूलन वातावरण को बढ़ावा देना है। इस पहल के अंतर्गत बर्तन बैंक, विद्युत नवीकरण कार्यक्रम, रेड्यूस, रियूज़, रिसाइकिल केन्द्र और स्प्रेडिंग कलर शामिल है। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से इन पहलों का लाभ उठाने की प्रक्रिया के बारे मे बताया गया। ये पहल स्वच्छ भारत मिशन शहर दो दशमलव शून्य के अधीन आता है, जो शहरी अपशिष्ट प्रबंधन पर ध्यान केन्द्रित करता है। नगरपालिका परिषद की ओर से इस पहल के लिए दिशा–निर्देश और जानकारी जल्द ही वेबसाइट पर जारी की जाएगी।

<><><><><><><>

भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती के उपलक्ष्य में कल क्यारी में "कृषि शिक्षा दिवस" मनाया गया। इस अवसर पर स्कूली विद्यार्थियों के लिए कई कार्यक्रमों के आयोजन किए गए। कक्षा पांचवीं से आठवीं तक के छात्रों के लिए "ग्रामीण परिदृश्य और कृषि जीवन के आकर्षण और सौंदर्य को प्रदर्शित करें" विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। कक्षा नवीं से बारहवीं तक के विद्यार्थियों के लिए भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस सिलसिले में कल विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने गाराचरमा परिसर में प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी का दौरा किया। उन्होंने सजावटी मछली इकाई, मछली तालाब, मत्स्य संग्रहालय, एकीकृत कृषि प्रणाली, नक्षत्र उद्यान, पशुधन फार्म, सूअर शेड, तितली संग्रहालय, माइक्रोप्लॉट्स, औषधीय उद्यान, बागवानी संयंत्र प्रसार इकाई, केंद्रीय उपकरण सुविधा और पुस्तकालय सहित कई सुविधाओं का दौरा किया, जहां उन्होंने वैज्ञानिकों के साथ चर्चा की। इस अवसर पर भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के क्षेत्रीय प्रमुख और अतिरिक्त निदेशक वैज्ञानिक–एफ डॉ. लाल जी सिंह मुख्य अतिथि थे। उन्होंने अपने संबोधन में भारत की उन्नति में कृषि की महत्वपूर्ण भूमिका के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं से भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि भारत मूल रूप से एक कृषि प्रधान देश है, जिसकी अस्सी प्रतिशत आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से ग्रामीण कृषि पर निर्भर है। कृषि शिक्षा दिवस जैसी पहलों के माध्यम से भावी पीढ़ियों को कृषि से जोड़ना आवश्यक है। डॉ. सिंह ने कृषि उत्पादकता में सुधार और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए प्रौद्योगिकी–संचालित नवाचारों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। क्यारी के निदेशक डॉ. ई.बी. चाकुरकर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कृषि में उपलब्ध व्यापक अवसरों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने विद्यार्थियों इस क्षेत्र में करियर बनाने पर विचार करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह के दौरे से युवा लाभान्वित होंगे।

<><><><><><><>

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत अंडमान प्रदूषण नियंत्रण समिति की ओर से हाल ही में राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस मनाया गया। इस वर्ष का विषय था स्वच्छ वायु, हरित पृथ्वी, सतत जीवन की ओर एक कदम। इस अवसर पर वाहनों से होने वाले वायु प्रदूषण को कम करने के बारे मे जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से अधिक चले–सुरक्षित ड्राइव करें संदेश के साथ स्टीकर वितरण किया गया। लम्बा लाईन, जोड़ाकिलान, भातुबस्ती और कार्बाइंस कोव में पेट्रोल पम्पों में आने वाले वाहनों पर स्टीकर लगाए गए। इसके अलावा एकल इस्तेमाल में आने वाले प्लास्टिक के दुष्प्रभावों से भी लोगों को जागरूक किया गया।

<><><><><><><>

दक्षिण अंडमान ज़िला प्रशासन की ओर से नए अतिक्रमणों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इस सिलसिले में जिला प्रशासन ने गाराचरमा और गुप्तापाड़ा गांव से सरकारी भूमि में किए गए नए अतिक्रमणों के खिलाफ अभियान चलाया। गाराचरमा में सरकारी राजस्व भूमि पर अनधिकृत निर्माण को हटाया गया और कुल दशमलव शून्य एक हेक्टेयर भूमि को खाली कराया गया। गुप्तापाड़ा में स्कूली खेल मैदान के सामने सरकारी राजस्व भूमि पर अतिक्रमण को हटाया गया और शून्य दशमनव दो एक हेक्टेयर भूमि को अतिक्रमणकारियों से मुक्त कराया गया। इसके अलावा, अभियान के दौरान तैतालीस पेड़ों को भी हटाया गया। जिला प्रशासन सरकारी भूमि की सुरक्षा और सार्वजनिक लाभ के लिए उनके उचित इस्तेमाल को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकारी संपत्ति पर अतिक्रमण के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ज़िला प्रशासन ने आम जनता से किसी भी तरह की अनधिकृत अतिक्रमणों के बारे में सूचना देने को कहा है।

<><><><><><><>

द्वीप पर्यटन महोत्सव का आयोजन सत्ताईस से इक्कतीस दिसम्बर तक किया जाएगा। कला और संस्कृति विभाग, सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय के सहयोग से श्री विजयपुरम और आस पास के विभिन्न स्थानों तथा बाहरी द्वीपों में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करेगा। उत्सव में भाग लेने के इच्छुक स्थानीय सांस्कृतिक संगठनों से आवेदन मांगे गए है। इन संगठनों को कम से कम तीन या इससे अधिक कार्यक्रम तैयार कर इसकी जानकारी देने को कहा गया है, ताकि चयन समिति को चयन करने में आसानी हो सके। निर्धारित प्रपत्र सेल्यूलर जेल परिसर स्थित विभाग के कार्यालय के अलावा प्रशासन की वेबसाइट से भी डाउनलोड किया जा सकता है। भरे गए फॉर्म सीधे या मेल के जरिए कल शाम चार बजे तक स्वीकार किए जाएंगे। सांस्कृतिक संगठनों को छः दिसम्बर को अंडमान क्लब में अपने कार्यक्रम प्रस्तुत करने होंगे। अधिक जानकारी के लिए जी टी टी सुजीत कुमार रॉय से सभी कार्य दिवसों में फोन पर संपर्क किया जा सकता है ।

<><><><><><><>